DAILY CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

28 April 2025

THE HINDU

The Indian EXPRESS

Hindustan Times

दैनिक जागरण

जनसत्ता

UPSC(IAS/PCS) AND ALL COMPITETIVE EXAM

PIB

THE HINDU

The Indian EXPRESS JOURNALISM OF COURAGE

ABHAY SIR

01 ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले

02 सावरकर और राहुल गांधी विवाद और सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

03 भारत और मध्य एशिया के देशों के मध्य आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

04 भारत ने स्क्रैमजेट इंजन सफल परीक्षण किया

05 पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क - मध्य प्रदेश

Result Mitra

अमर उजाला

एप डाउनलोड करें

होम > मनोरंजन > रिव्यूज > बॉलीवुड > भोजपुरी > साउ

Salim Javed First Film | Navina Bole | Badshah Vi

Phule Movie Review: आजादी में दलितों के योगदान को बयां करती भावुक फिल्म, ब्राह्मणों से मिले साथ का भी खुलासा

सोर्स :– अमर उजाला

Result Mitra

ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले

- परीक्षा में कैसे उपयोगी

सेक्शन	उपयोग
GS पेपर-1	आधुनिक भारत सामाजिक-सांस्कृतिक सुधार आंदोलन, महिला आंदोलन, दलित चेतना।
निबंध	शिक्षा का महत्व, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय।
एथिक्स पेपर	समानता, सामाजिक जिम्मेदारी, करुणा के उदाहरण।
वैकल्पिक विषय (समाजशास्त्र / इतिहास)	सुधार आंदोलनों का गहन विश्लेषण।

ज्योतिराव गोविंदराव फुले

- समय :– 1827–1890

परिचय:

- जन्म: 11 अप्रैल 1827, पुणे (महाराष्ट्र)
- जाति: माली (माली जाति तब शूद्र मानी जाती थी)
- उपनाम: 'महात्मा फुले'

मुख्य कार्य:

- भारतीय समाज में जाति प्रथा और अस्पृश्यता के खिलाफ संघर्ष किया।
- महिला शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह के समर्थक।
- पहले लड़कियों के स्कूल की स्थापना 1848 में सावित्रीबाई फुले के साथ की।
- 1873 में "सत्यशोधक समाज" की स्थापना की — उद्देश्य था सामाजिक समानता, जाति-भेद का अंत और शिक्षा का प्रसार।

- ब्राह्मणवादी वर्चस्व का विरोध और निम्न जातियों को आत्मसम्मान का संदेश दिया।

प्रमुख विचार:

- शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का साधन माना।
- उन्होंने वर्ण व्यवस्था और धार्मिक अंधविश्वासों का कड़ा विरोध किया।
- किसानों और मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

प्रमुख कृतियाँ:

- 'गुलामगिरी' (1873) — जातिवाद पर आधारित सामाजिक आलोचना।
- 'त्रितीया रत्न' — एक नाटक जो शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह का समर्थन करता है।

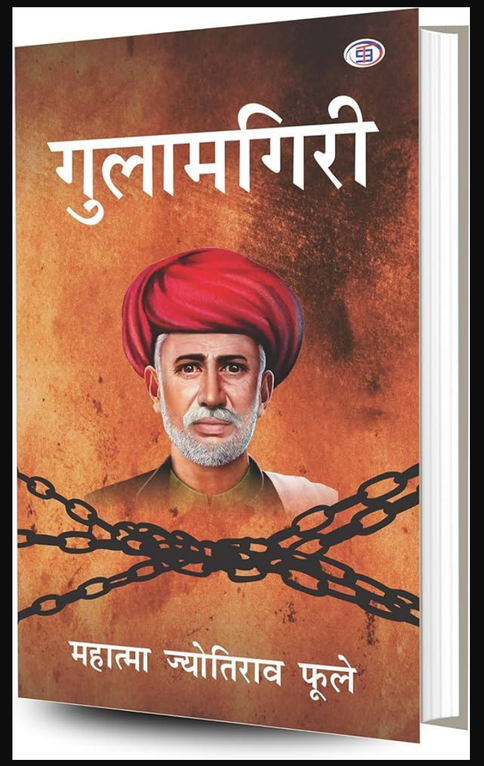

सामाजिक पृष्ठभूमि:

- ज्योतिबा फुले का जन्म महाराष्ट्र के एक गरीब माली (माली = बागवानी का कार्य करने वाले) परिवार में हुआ था।

- जातिगत भेदभाव को उन्होंने बचपन से महसूस किया, जिससे उनमें समाज-सुधार की भावना जागृत हुई।
- उन्हें शुरुआती शिक्षा एक मिशनरी स्कूल से मिली। लेकिन उच्च जातियों के विरोध के कारण उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ा।

प्रमुख आंदोलन और कार्य:

1. महिला शिक्षा का आंदोलन:

- 1848 में पुणे में पहले लड़कियों के स्कूल की स्थापना की।

- सावित्रीबाई फुले को शिक्षिका बनाकर खुद भी स्कूल में पढ़ाया।

2. सत्यशोधक समाज (1873):

- उद्देश्य था: सत्य की खोज करना, जातिगत ऊँच-नीच और अंधविश्वास का अंत करना।
- इस समाज में निम्न जातियों, महिलाओं और वंचित वग को सम्मानपूर्ण जीवन देने की कोशिश की गई।
- विवाह, अंतिम संस्कार और अन्य सामाजिक कार्य ब्राह्मणों के बिना कराने की पहल की गई।

3. शूद्र-अतिशूद्रों के अधिकार:

- उन्होंने शूद्रों और अतिशूद्रों (दलितों) को संगठित कर सामाजिक चेतना जगाई।
- उन्होंने कहा — "ब्राह्मणों ने धार्मिक शास्त्रों के नाम पर दलितों और महिलाओं को गुलाम बनाया है।"

4. किसानों के हित में कार्य:

- किसानों की शोषणकारी स्थिति पर उन्होंने 'शेतकऱ्यांचा आसूड' (किसानों की कोड़ा) लिखा।
- भूमि सुधार और कर व्यवस्था में बदलाव की मांग की।

5. धार्मिक सुधार:

- उन्होंने वर्णाश्रम धर्म और वेद आधारित सामाजिक व्यवस्था का खंडन किया।
- "सभी मनुष्य समान हैं" — यह उनका मूलमंत्र था।

सावित्रीबाई फुले—

- समय :– 1831–1897
- जन्म: 3 जनवरी 1831, नायगांव, महाराष्ट्र
- विवाह: 1840 में ज्योतिबा फुले से।
- भारत की पहली महिला शिक्षिका मानी जाती हैं।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:

- सावित्रीबाई को बचपन में कोई औपचारिक शिक्षा नहीं मिली थी।
- विवाह के बाद ज्योतिबा फुले ने उन्हें पढ़ाया और शिक्षिका बनने के लिए प्रशिक्षित किया।

मुख्य कार्य:

- 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहला विद्यालय शुरू किया।
- विधवाओं और दलित महिलाओं के अधिकारों के लिए काम किया।

- 'बालहत्या प्रतिबंधक गृह' की स्थापना की — जहाँ अविवाहित माताओं और विधवाओं को आश्रय दिया जाता था।
- अस्पृश्यता और लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष किया।

प्रमुख योगदान:

- महिला शिक्षा के आंदोलन की अग्रणी नेता।
- सत्यशोधक समाज की प्रमुख सदस्य और नेतृत्वकर्ता।

- प्लेग महामारी (1897) के दौरान रोगियों की सेवा करते हुए उनकी मृत्यु हुई।

प्रमुख कृतियाँ:

- उन्होंने अनेक कविताएँ और भाषण लिखे, जिनमें सामाजिक सुधार की पुकार थी।
- 'काव्यफुले' (1854) — उनका प्रमुख कविता संग्रह।

प्रमुख योगदान:

1. महिला शिक्षा:

- उन्होंने देश की पहली महिला स्कूल की शिक्षिका और प्रधानाचार्या बनकर इतिहास रचा।
- पुणे में 18 स्कूल खोले जिसमें सभी जातियों और धम की लड़कियों को पढ़ाया जाता था।
- समाज के उच्च वग ने उन पर कीचड़ फेंका, अपशब्द कहे, लेकिन वे रुकी नहीं — अपने साथ दूसरी जोड़ी साड़ी लेकर जाती थीं ताकि गंदी होने पर बदल सकें।

2. महिलाओं के अधिकार:

- विधवा महिलाओं के पुनर्विवाह का समर्थन किया।
- अविवाहित माताओं और विधवाओं के लिए "बालहत्या प्रतिबंधक गृह" (Infanticide Prohibition Home) की स्थापना की — ताकि महिलाएं समाज के डर से नवजात शिशुओं की हत्या न करें।

3. जातीय असमानता के खिलाफ संघर्ष:

- अस्पृश्य महिलाओं और बच्चों को शिक्षा दी और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की।

4. प्लेग महामारी के समय सेवा:

- 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

विचार और दर्शन:

- ज्योतिबा फुले का दर्शन — "सभी मनुष्य जन्म से समान हैं। सामाजिक असमानता अन्याय है।"
- सावित्रीबाई फुले का दर्शन — "शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है जिससे महिलाओं और वंचितों को मुक्ति मिल सकती है।"

प्रेरणादायक उद्धरण:

ज्योतिबा फुले:

- "जहाँ शिक्षा नहीं है, वहाँ अंधकार है।"

सावित्रीबाई फुले:

- "जाओ, आगे बढ़ो — शिक्षा प्राप्त करो, अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करो।"

समकालीन प्रभाव:

- फुले दंपत्ति ने सामाजिक आंदोलन की नींव रखी, जिसका बाद में डॉ. भीमराव अंबेडकर और अन्य सामाजिक सुधारकों ने पालन किया।

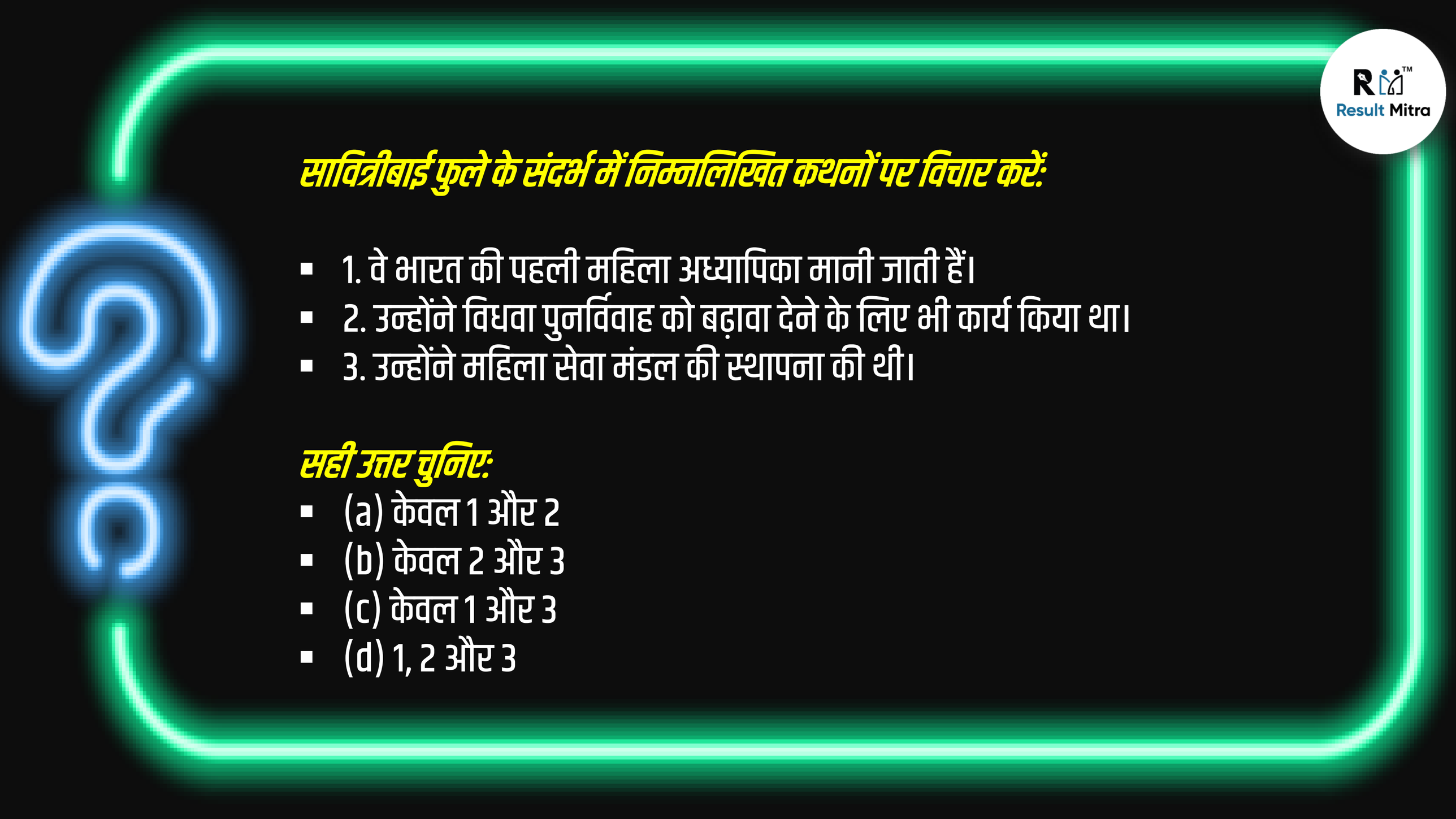

सावित्रीबाई फुले के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. वे भारत की पहली महिला अध्यापिका मानी जाती हैं।
- 2. उन्होंने विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य किया था।
- 3. उन्होंने महिला सेवा मंडल की स्थापना की थी।

सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- सावित्रीबाई फुले को भारत की पहली महिला शिक्षिका कहा जाता है।
- वे विधवाओं के पुनर्विवाह और उनके सम्मान के लिए संघर्षरत रहीं।
- उन्होंने 'महिला सेवा मंडल की स्थापना की थी ताकि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

THE TIMES OF INDIA

OPEN APP

News TOI Games Live Videos World City India

'This Is Not How You Treat Freedom Fighters': SC Pulls Up Rahul Gandhi Over Remarks On Veer Savarkar

INDIA | TOI News Desk | TIMESOFINDIA.COM | Apr 25, 2025, 14:02 IST

Perform Gauseva on Akshay Tritiya
Shree Krishnayan G... | Sponsored Donate Now

TOI Games

Result Mitra

सावरकर और राहुल गांधी विवाद और सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

वीर सावरकर: जीवन, योगदान और विचार

- पूरा नाम: विनायक दामोदर सावरकर
- जन्म: 28 मई 1883, भागुर ग्राम, नासिक ज़िला, महाराष्ट्र
- मृत्यु: 26 फरवरी 1966
- प्रसिद्धि: स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी विचारक, लेखक और राष्ट्रवादी नेता
- उपनाम: स्वातंत्र्यवीर सावरकर

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

- वीर सावरकर का जन्म महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के भागुर गाँव में हुआ था। प्रारंभ से ही उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल थी। आगे की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए, जहाँ उन्होंने कानून की पढ़ाई के साथ-साथ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई।

संगठन और गतिविधियाँ

अभिनव भारत सोसाइटी

- 1904 में सावरकर और उनके भाई गणेश दामोदर सावरकर ने 'अभिनव भारत सोसाइटी' की स्थापना की।
- यह एक भूमिगत संगठन था, जिसका उद्देश्य भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रांति को संगठित करना था।
- इसका प्रारंभिक रूप 'मित्र मेला' के नाम से जाना जाता था।

इंडिया हाउस और फ्री इंडिया सोसाइटी

- लंदन में सावरकर 'इंडिया हाउस' से जुड़े, जिसे श्यामजी कृष्ण वर्मा ने 1905 में भारतीय छात्रों के लिए राष्ट्रवादी गतिविधियों का केंद्र बनाया था।
- 1906 में सावरकर ने 'फ्री इंडिया सोसाइटी' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारतीय छात्रों में स्वतंत्रता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

- उन्होंने इतालवी क्रांतिकारी ग्यूसेपे माज़िनी के विचारों से प्रेरणा लेकर कार्य किया और उनकी जीवनी का अनुवाद भी किया।

हिंदू महासभा

- सावरकर 1937 से 1943 तक हिंदू महासभा के अध्यक्ष रहे।
- इस अवधि में उन्होंने अखंड भारत और हिंदू राष्ट्रवाद की अवधारणा को बढ़ावा दिया।

प्रमुख लेखन कार्य

'1857 का प्रथम स्वाधीनता संग्राम'

- सावरकर ने 'The First War of Indian Independence' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें 1857 के विद्रोह को अंग्रेजों द्वारा "सिपाही विद्रोह" कहे जाने के विरुद्ध भारत के स्वतंत्रता संग्राम के रूप में प्रस्तुत किया गया।

- इसमें उन्होंने छापामार युद्ध (Guerilla Warfare) के तौर-तरीकों पर भी प्रकाश डाला।

'हिंदुत्व: हिंदू कौन है?'

- इस ग्रंथ में सावरकर ने 'हिंदुत्व' की परिकल्पना प्रस्तुत की।
- उन्होंने 'हिंदू' की परिभाषा सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान के रूप में दी, न कि केवल धार्मिक दृष्टिकोण से।

मुकदमे और सजा

- 1909 में सावरकर को मॉर्ले-मिंटो सुधारों (Indian Councils Act, 1909) के विरोध में सशस्त्र विद्रोह की योजना बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।
- उन पर नासिक के कलेक्टर जैक्सन की हत्या में उकसाने का भी आरोप लगाया गया।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 121-ए के तहत "सम्राट के खिलाफ साजिश" का अभियोग भी लगा।

Result Mitra

- उन्हें दोषी ठहराते हुए 50 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई।
- 1911 में उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की सेल्युलर जेल (काला पानी) भेजा गया।

सामाजिक सुधार कार्य

- सावरकर ने जातिवाद और छुआछूत का विरोध किया।
- उन्होंने मंदिरों में दलितों के प्रवेश के अधिकार के लिए आंदोलन किया।
- उनका उद्देश्य एक समतामूलक और एकजुट समाज की स्थापना करना था।

स्वतंत्रता के बाद की भूमिका

- जेल से रिहाई के बाद सावरकर ने हिंदू महासभा के माध्यम से राजनीतिक काय को जारी रखा।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने अंग्रेजों को सहयोग करने का समर्थन किया, ताकि भारतीयों को सैन्य प्रशिक्षण मिल सके।
- वे अखंड भारत की अवधारणा के प्रबल समर्थक रहे।

Result Mitra

विवाद और आलोचना

- 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद सावरकर पर षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लगाया गया, किंतु न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में उन्हें बरी कर दिया।
- स्वतंत्रता के बाद भी उनके विचार और योगदान समय-समय पर विवाद का विषय बने रहे।

विनायक दामोदर सावरकर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. उन्होंने 'हिंदुत्व' शब्द को गढ़ा और उसे भारतीय राष्ट्रीयता से जोड़ा।
- 2. वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सदस्य थे और उसके आंदोलनों का नेतृत्व करते थे।
- 3. उन्हें अंग्रेजों द्वारा काला पानी (सेलुलर जेल) में भेजा गया था।

सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- सावरकर ने 'हिंदुत्व' शब्द को लोकप्रिय बनाया और 1923 में "Hindutva Who is a Hindu?" नामक पुस्तक लिखी।
- वे कांग्रेस के सदस्य नहीं थे; वे हिंदू महासभा से जुड़े थे।
- अंग्रेजों ने उन्हें अंडमान की सेलुलर जेल (काला पानी) में कड़ी सजा दी थी।

Result Mitra
Ministry of Finance
Azadi Ka Amrit Mahotsav
India hosts inaugural Capacity Building Programme for Central Asian Republics on combating terrorism financing
Senior experts from five Central Asian countries of Uzbekistan, Turkmenistan, Kazakhstan, Tajikistan, and Kyrgyzstan participated in knowledge exchange
भारत और मध्य एशिया के देशों के मध्य आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Result Mitra

- भारत ने आतंकवाद के लिए पैसे जुटाने से लड़ने के लिए मध्य एशिया के देशों के साथ पहला खास कार्यक्रम किया

- **किसने आयोजित किया :–** भारत के राजस्व विभाग ने विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के साथ मिलकर आयोजित किया।

- यह कार्यक्रम 21-22 अप्रैल 2025 को हुआ और इसमें पांच मध्य एशियाई देशों — उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान — के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।
- **कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य :–** यह सिखाना कि कैसे आतंकवादी संगठन क्रिप्टोकरेंसी (जैसे बिटकॉइन), क्राउडफंडिंग (ऑनलाइन चंदा) और गैर-लाभकारी संगठनों (जैसे कुछ चैरिटी संगठन) का गलत इस्तेमाल करके पैसे जुटाते हैं, और इस पर कैसे रोक लगाई जा सकती है।

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Result Mitra

- भारत के कई महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारी — जैसे गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) और वित्तीय खुफिया इकाई (FIU-IND) — ने अपनी जानकारी और अनुभव साझा किए।
- इसके अलावा, एक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ ने भी मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद से लड़ने के वैश्विक नियमों पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में किन बातों पर चर्चा हुई:

- आतंकवादी घटनाओं की जांच में पैसों के लेन-देन की जानकारी का कैसे इस्तेमाल करें
- वर्चुअल एसेट (जैसे ऑनलाइन करेंसी) का दुरुपयोग कैसे होता है
- क्राउडफंडिंग साइट्स के जरिए पैसे जुटाने के खतरे
- चरमपंथ और आतंकवादी विचारधारा के लिए पैसे का इंतजाम कैसे होता है

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Result Mitra

- यह कार्यक्रम भारत और मध्य एशिया के देशों के बीच मिलकर आतंकवाद के पैसे के नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सभी देशों के बीच सहयोग और मजबूत होगा।

शॉर्ट नोट्स

- भारत ने आतंकवाद के लिए पैसे जुटाने से लड़ने के लिए मध्य एशिया के देशों के साथ कार्यक्रम आयोजित किया

भारत और मध्य एशिया के देशों के मध्य

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Daily Current News

Result Mitra

आयोजन:

- आयोजक: भारत का राजस्व विभाग, विदेश मंत्रालय, और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय
- तिथि: 21-22 अप्रैल 2025
- देश: उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान

भारत और मध्य एशिया के देशों के मध्य

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Daily Current News

Result Mitra

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Result Mitra

मुख्य उद्देश्य:

- आतंकवादी संगठन क्रिप्टोकरेंसी, क्राउडफंडिंग, और गैर-लाभकारी संगठनों का गलत इस्तेमाल करके पैसे जुटाते हैं।
- इस पर रोक लगाने के उपायों पर चर्चा और प्रशिक्षण देना।

विभागों का सहयोग:

- गृह मंत्रालय, NIA (राष्ट्रीय जांच एजेंसी), FIU-IND (वित्तीय खुफिया इकाई)
- अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद से लड़ने के वैश्विक नियमों पर जानकारी

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Result Mitra

मुख्य चर्चा बिंदु:

- आतंकवादी घटनाओं की जांच में पैसों के लेन-देन का इस्तेमाल
- वर्चुअल एसेट्स (ऑनलाइन करेंसी) का दुरुपयोग
- क्राउडफंडिंग साइट्स के जरिए पैसे जुटाने के खतरे
- चरमपंथ और आतंकवादी विचारधारा के लिए धन का इंतजाम कैसे होता है

आतंकवाद से लड़ने के लिए समित

Result Mitra

महत्व:

- भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच आतंकवाद के वित्तीय नेटवर्क को खत्म करने के लिए सहयोग मजबूत करना।

भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. भारत और मध्य एशिया के देशों ने आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने के लिए India Central Asia Dialogue' की स्थापना की है।
- 2. भारत ने मध्य एशियाई देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास (joint military exercises) भी किए हैं। 3. शंघाई सहयोग संगठन (SCO) एक ऐसा मंच है, जिसमें भारत और मध्य एशियाई देश आतंकवाद से लड़ने के लिए मिलकर काम करते हैं।

सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- India-Central Asia Dialogue एक बहुपक्षीय मंच है जो आतंकवाद, व्यापार, संपर्क (connectivity) आदि पर सहयोग बढ़ाने के लिए शुरू हुआ।
- भारत ने मध्य एशियाई देशों के साथ कई संयुक्त सैन्य अभ्यासों में भाग लिया है, जैसे Kazind (कजाकिस्तान इंडिया अभ्यास) ।
- भारत और मध्य एशियाई देश दोनों SCO के सदस्य हैं, और आतंकवाद के खिलाफ RATS (Regional Anti Terrorist Structure) के माध्यम से सहयोग करते हैं।

जागरण
मेरी खबरें
PRIME
होम
ताज़ा
ब्रेकिंग
राष्ट्रीय
आईपीएल
लाइव न्यूज़
HINDI NEWS / NATIONAL
भारत ने INS सूरत के बाद किया हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण, पढ़ें क्या है Scramjet Engine की खासियत
Result Mitra
भारत ने स्क्रैमजेट इंजन सफल परीक्षण किया

भारत ने स्क्रैमजेट इंजन सफल परीक्षण किया

Daily Current News

Result Mitra

- भारत ने स्क्रैमजेट इंजन का एक हजार सेकेंड से अधिक समय तक सफल परीक्षण किया
- पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत ने हाइपरसोनिक हथियार तकनीक के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने शुक्रवार को स्क्रैमजेट इंजन का एक हजार सेकेंड से अधिक समय तक सफल परीक्षण किया।

भारत ने स्क्रैमजेट इंजन सफल परीक्षण किया

Daily Current News

Result Mitra

- यह परीक्षण हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (DRDL) के अत्याधुनिक स्क्रैमजेट परीक्षण केंद्र में किया गया।
- यह परीक्षण एक्टिव-कूल्ड स्क्रैमजेट सबस्केल कम्बस्टर पर आधारित था और इसे हाइपरसोनिक प्रणोदन तकनीक में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि इससे पहले जनवरी 2025 में इसी प्रणाली का 120 सेकंड के लिए परीक्षण किया गया था।

- नए परीक्षण में स्क्रैमजेट इंजन ने हाइड्रोजन को ईंधन और वायुमंडलीय ऑक्सीजन को ऑक्सीडाइज़र के रूप में प्रयोग कर उच्च दक्षता से काम किया।

स्क्रैमजेट इंजन और हाइपरसोनिक हथियारों का महत्व

- हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें, जो ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक (लगभग 6,100 किलोमीटर प्रति घंटे) रफ्तार से लक्ष्य पर हमला कर सकती हैं, में स्क्रैमजेट इंजन का उपयोग होता है।

भारत ने स्क्रैमजेट इंजन सफल परीक्षण किया

Daily Current News

Result Mitra

- इस तकनीक के जरिए मिसाइलें दुश्मन की रडार पकड़ से बाहर रहते हुए तेजी से हमला कर सकती हैं, जिससे किसी भी देश की रणनीतिक क्षमता कई गुना बढ़ जाती है।

- डीआरडीओ प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ।

क्या है स्क्रैमजेट तकनीक?

- स्क्रैमजेट (Supersonic Combustion Ramjet) इंजन वायुमंडल से ऑक्सीजन लेकर कार्य करता है, जिससे भारी ऑक्सीडाइजर ले जाने की आवश्यकता नहीं रहती।
- इसकी मदद से मिसाइलें हल्की बनती हैं और अधिक दूरी तय कर सकती हैं।
- इसे हाइपरसोनिक गति (Mach 5 से अधिक) में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्क्रैमजेट इंजन क्या है?

- स्क्रैमजेट एक विशेष प्रकार का जेट इंजन है, जिसे एयर ब्रीदिंग इंजन कहा जाता है।
- इसका मतलब है कि यह इंजन ईंधन को जलाने के लिए वायुमंडल से मिलने वाली ऑक्सीजन का उपयोग करता है, अलग से ऑक्सीजन साथ नहीं ले जाना पड़ता। इससे वाहन हल्का होता है और अधिक गति पकड़ सकता है।

- रैमजेट इंजन भी एक एयर ब्रीदिंग इंजन का प्रकार है। रैमजेट में हवा को संपीडित (Compress) करने के लिए कोई घूमने वाला पंखा या कंप्रेसर नहीं होता। इसके बजाय, यह वाहन की तेज गति का उपयोग करता है ताकि हवा अपने आप इंजन में दबाव के साथ प्रवेश कर सके।
- रैमजेट इंजन आमतौर पर 3 से 6 मैक (मैक = ध्वनि की गति) तक काम करते हैं, लेकिन इसमें दहन के समय हवा की गति धीमी यानी सबसोनिक (ध्वनि से कम) रहती है।

- स्क्रैमजेट इंजन दरअसल रैमजेट का ही एक उन्नत (Advanced) रूप है। इसमें सबसे बड़ा अंतर यह है कि स्क्रैमजेट में हवा को धीमा नहीं किया जाता, बल्कि सुपरसोनिक गति (ध्वनि से तेज) पर ही दहन (Combustion) होता है। इस कारण इसे Supersonic Combustion Ramjet या स्क्रैमजेट कहा जाता है।

कैसे काम करता है स्क्रैमजेट इंजन?

- ईंधन के रूप में हाइड्रोजन का प्रयोग होता है।
- वायुमंडल से ऑक्सीजन ली जाती है और उसे हाइड्रोजन के साथ मिलाकर दहन किया जाता है।
- दहन से बनने वाली गैसें पीछे की तरफ तेजी से निकलती हैं, जिससे वाहन को आगे बढ़ने के लिए जबरदस्त बल (थ्रस्ट) मिलता है।

- इस तकनीक की मदद से वाहन को 15 मैक (यानी ध्वनि की गति से 15 गुना तेज) तक की गति दी जा सकती है।

स्क्रैमजेट तकनीक के फायदे:

- अलग से ऑक्सीजन ले जाने की जरूरत नहीं, जिससे वाहन हल्का होता है।
- रॉकेट की तुलना में सस्ता और ज्यादा कुशल तरीका।

- उपग्रहों को कक्षा में भेजने, हाइपरसोनिक मिसाइलों और फास्ट ट्रैवल सिस्टम्स के लिए आदर्श।

महत्व:

- भारत समेत कुछ गिने-चुने देश ही स्क्रैमजेट तकनीक पर काम कर रहे हैं। अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के बाद भारत ने भी इस क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। डीआरडीओ (DRDO) का हालिया स्क्रैमजेट परीक्षण इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

- आईएनएस सूरत भारतीय नौसेना का एक अत्याधुनिक युद्धपोत (डिस्ट्रॉयर) है।
- यह विशाखापत्तनम श्रेणी (Project 15B) के विध्वंसक जहाजों में से चौथा और अंतिम पोत है। यहाँ इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है:

आईएनएस सूरत के बारे में प्रमुख तथ्य:

- नाम : आईएनएस सूरत (INS Surat)
- प्रोजेक्ट : प्रोजेक्ट 15B (P-15B)
- श्रेणी : गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर
- निर्माण स्थल : मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई
- लॉन्च वर्ष : मई 2022 में लॉन्च किया गया था। (कमिशनिंग भविष्य में तय)

- लंबाई : लगभग 163 मीटर
- वजन (डिस्प्लेसमेंट) : करीब 7,400 टन
- गति : 30 नॉट्स (लगभग 55 किमी/घंटा)
- मुख्य हथियार प्रणाली :

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें

- बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें

- एडवांस्ड टॉरपीडो डिफेंस सिस्टम
- 76 मिमी की मुख्य तोप और अन्य स्वचालित हथियार

विशेषताएँ :

- स्टील्थ डिजाइन (कम रडार दिखने की क्षमता)
- आधुनिक रडार और सेंसर प्रणाली
- नेटवर्क-सेंट्रिक युद्ध के लिए अनुकूल सिस्टम

आईएनएस सूरत का नाम 'सूरत' क्यों रखा गया?

- यह पोत भारत के पश्चिमी तटीय शहर सूरत के नाम पर रखा गया है, जो ऐतिहासिक रूप से समुद्री व्यापार और नौवहन गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र रहा है। सूरत का समुद्री इतिहास 16वीं-17वीं सदी में बहुत समृद्ध था, जिसे सम्मान देने के लिए इस युद्धपोत का नाम रखा गया है।

संपूर्ण Project 15B श्रृंखला में चार डिस्ट्रॉयर शामिल हैं:

- 1. INS विशाखापत्तनम (कमिशन हो चुका है)
- 2. INS मोरमुगाओ (कमिशन हो चुका है)
- 3. INS इम्फाल (कमिशन प्रक्रिया में)
- 4. INS सूरत (अभी निर्माण और ट्रायल चरण में)

DRDO क्या है?

- DRDO का पूरा नाम है — Defence Research and Development Organisation (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन)।
- यह भारत सरकार का एक प्रमुख संस्थान है जो देश की रक्षा जरूरतों के लिए आधुनिक तकनीक और हथियार प्रणालियाँ विकसित करता है।

DRDO की स्थापना:

- स्थापना : 1958 में हुई।
- मुख्यालय : नई दिल्ली, भारत।
- कार्य : सेना, नौसेना, वायुसेना और अन्य रक्षा संगठनों के लिए तकनीकी समाधान तैयार करना।

DRDO के मुख्य कार्य:

- मिसाइलें बनाना (जैसे अग्नि, पृथ्वी, आकाश)
- लड़ाकू विमान, ड्रोन और रडार विकसित करना
- टैंक और बख्तरबंद वाहन बनाना
- रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा और लेजर तकनीक पर काम करना

- सैनिकों के लिए आधुनिक उपकरण जैसे बुलेटप्रूफ जैकेट, विशेष पोशाकें और चिकित्सा उपकरण तैयार करना
- अंतरिक्ष और हाइपरसोनिक तकनीक जैसे स्क्रैमजेट इंजन पर अनुसंधान करना

DRDO के प्रमुख प्रोजेक्ट्स:

- अग्नि मिसाइल श्रृंखला (लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें)
- पृथ्वी मिसाइल (कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल)
- तेजस फाइटर जेट (हल्का लड़ाकू विमान)
- अर्जुन टैंक (मुख्य युद्धक टैंक)

- आकाश मिसाइल (सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल)
- अत्याधुनिक रडार सिस्टम्स और डिफेंस साइबर प्रोजेक्ट्स

DRDO का महत्व:

- आत्मनिर्भर भारत (Self-Reliant India) के लक्ष्य में बड़ी भूमिका।
- विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम करना।
- भारतीय सेनाओं को आधुनिक और मजबूत बनाना।
- वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देना।

DRDO में कितने लैब्स हैं?

- देशभर में DRDO के लगभग 50 से ज्यादा प्रयोगशालाएं (Labs) हैं, जहाँ अलग-अलग क्षेत्रों में अनुसंधान और परीक्षण किया जाता है।
- जैसे मिसाइल विकास के लिए DRDL (Hyderabad),
- लड़ाकू विमान तकनीक के लिए ADA (Bangalore),
- और नौसेना तकनीक के लिए NSTL (Visakhapatnam)।

DRDO के वर्तमान अध्यक्ष:

- डॉ. समीर वी. कामत (2025 तक)

DRDO (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) के शॉर्ट नोट्स

- स्थापना:
- साल: 1958
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत
- कार्य: सेना, नौसेना, वायुसेना के लिए तकनीकी समाधान विकसित करना

भारत ने स्क्रैमजेट इंजन सफल परीक्षण किया

Daily Current News

Result Mitra

मुख्य कार्य:

- मिसाइलों का विकास: अग्नि, पृथ्वी, आकाश
- लड़ाकू विमान और ड्रोन: तेजस, रडार
- रक्षा प्रणालियाँ: टैंक, बख्तरबंद वाहन, साइबर सुरक्षा
- हाइपरसोनिक और अंतरिक्ष तकनीक: स्क्रैमजेट इंजन
- सैनिक उपकरण: बुलेटप्रूफ जैकेट, चिकित्सा उपकरण

प्रमुख प्रोजेक्ट्स:

- अग्नि, पृथ्वी मिसाइलें
- तेजस लड़ाकू विमान
- अर्जुन टैंक
- आकाश मिसाइल

महत्व:

- आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में योगदान
- विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम करना
- भारतीय सेनाओं को मजबूत बनाना

लैब्स:

- DRDL (Hyderabad), ADA (Bangalore), NSTL (Visakhapatnam)

वर्तमान अध्यक्ष:

- डॉ. समीर वी. कामत (2025 तक)

स्क्रैमजेट इंजन के शॉर्ट नोट्स

- स्क्रैमजेट इंजन:
- प्रकार: एयर ब्रीदिंग इंजन
- कार्य: वायुमंडल से ऑक्सीजन लेकर ईंधन (हाइड्रोजन) जलाना
- गति: 15 मैक (ध्वनि से 15 गुना तेज)
- फायदे: हल्का, लंबी दूरी तय करने की क्षमता, रॉकेट से सस्ता

- प्रयोग: हाइपरसोनिक मिसाइलें, उपग्रह प्रक्षेपण
- डीआरडीओ परीक्षण: 2025 में 1000 सेकेंड का सफल परीक्षण

महत्व:

- हाइपरसोनिक हथियारों और मिसाइलों का विकास
- दुश्मन की रडार से बचते हुए तेज हमला
- भारत की रक्षा रणनीति को और मजबूत बनाना

Scramjet इंजन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. Scramjet इंजन हवा से ऑक्सीजन लेकर काम करता है और बाहरी ऑक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती।
- 2. Scramjet इंजन का मुख्य उद्देश्य हाईपरसोनिक गति (Mach 5 से अधिक) पर उड़ान भरने में मदद करना है।
- 3. भारत ने Scramjet इंजन तकनीक का सफल परीक्षण अभी तक नहीं किया है।

सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- Scramjet (Supersonic Combustion Ramjet) इंजन हवा से ऑक्सीजन लेकर ईंधन जलाता है (air-breathing engine)। अलग से ऑक्सीजन नहीं ले जाना पड़ता।
- यह हाईपरसोनिक गति (Mach 5+) पर कार्य करता है।
- तीसरा कथन गलत है क्योंकि भारत ने 28 अगस्त 2016 को ISRO द्वारा Scramjet इंजन का सफल परीक्षण किया था।
- ॥शिक्षिका

पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क - मध्य प्रदेश

हाल की स्वीकृति:

- प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (PM MITRA) योजना के तहत मध्य प्रदेश को एक पीएम मित्र पार्क की मंजूरी मिली है।
- यह पार्क धार जिले के भेंसोला गाँव में स्थापित किया जाएगा।

Result Mitra

पीएम मित्र योजना के बारे में:

- यह योजना भारतीय वस्त्र क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए तैयार की गई है।
- इसका उद्देश्य पूरे मूल्य श्रृंखला (Value Chain) को एक ही परिसर में विकसित करना, संचालन में लागत को कम करना और निवेश व निर्यात को बढ़ावा देना है।

योजना के मुख्य उद्देश्य:

- भारतीय वस्त्र उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनाना।
- उत्पादन का पैमाना (scale of operation) बढ़ाना।
- लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना।
- एकीकृत बुनियादी ढांचा तैयार करना।
- निवेश और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करना।
- निर्यात क्षमताओं को सुदृढ़ करना।

Result Mitra

योजना का आधार:

- पीएम मित्र योजना प्रधानमंत्री के 5F विजन पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं:

- Farm to Fibre (खेती से रेशा),
- Fibre to Factory (रेशे से फैक्ट्री),
- Factory to Fashion (फैक्ट्री से फैशन),
- Fashion to Foreign (फैशन से वैश्विक बाजार)।

कार्यान्वयन मंत्रालय:

- वस्त्र मंत्रालय (Ministry of Textiles), भारत सरकार।

कुल परिव्यय (Budget):

- वर्ष 2021-22 से 2027-28 तक 7 वष के लिए ₹4,445 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

वित्तीय सहायता का स्वरूप:

- ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए प्रत्येक पार्क को केंद्र सरकार द्वारा अधिकतम ₹800 करोड़ तक की सहायता।
- ब्राउनफील्ड परियोजनाओं के लिए प्रत्येक पार्क को अधिकतम ₹500 करोड़ तक की सहायता।

स्थापना की शर्त:

- राज्य सरकारें कम से कम 1,000 एकड़ भूमि उपलब्ध कराएँगी।
- भूमि एकीकृत, विवाद-मुक्त और पूरी तरह से विकसित होनी चाहिए।
- राज्य सरकारें आवश्यक बुनियादी ढांचा (जैसे बिजली, पानी, सड़क) सुनिश्चित करेंगी।

कार्यान्वयन व्यवस्था:

- पार्क का प्रबंधन एक विशेष उद्देश्य वाहन (Special Purpose Vehicle - SPV) के माध्यम से होगा।
- SPV में केंद्र और राज्य सरकार दोनों साझेदार होंगी।
- निजी क्षेत्र की भागीदारी भी प्रोत्साहित की जाएगी।

परियोजना की निगरानी:

- वस्त्र मंत्रालय द्वारा एक परियोजना प्रबंधन एजेंसी (Project Management Agency - PMA) नियुक्त की जाएगी, जो तकनीकी सहायता, प्रगति की निगरानी और परियोजना निष्पादन में सहयोग प्रदान करेगी।

भारत में वस्त्र उद्योग के विकास से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. वस्त्र उद्योग मुख्यत: कच्चे माल के निकट स्थापित होते हैं।
- 2. आज भारत का वस्त्र उद्योग पारंपरिक (Traditional) और संगठित (Organized) दोनों प्रकार में कार्य कर रहा है।
- 3. वस्त्र उद्योग भारत के कुल औद्योगिक उत्पादन में लगभग 50% योगदान देता है।

सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- वस्त्र उद्योग अक्सर कच्चे माल (जैसे कपास) के नजदीक स्थित होते हैं, ताकि परिवहन लागत कम हो ।
- यह क्षेत्र पारंपरिक हथकरघा (Handloom) और संगठित मिलों (Mills) दोनों में विभाजित है।
- तीसरा कथन गलत है क्योंकि वस्त्र उद्योग का औद्योगिक उत्पादन में योगदान लगभग 14-15% के आसपास है, 50% नहीं ।

Thank
you